

ईश्वर में हमारा विश्वास



राष्ट्रीय नवीन मेल

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

₹3.00

सत्यमेव जयते



पेज 10

रायल चैलेंजर्स
बैंगलुरु ने पंजाब को
छह रन से हार्दिक

स्टार बल्लेबाज विराट कोहली
का सप्ताह अधिकरि 18 साल
बाद मंगलवार को पूरा हो गया।
उनकी टीम रॉयल चैलेंजर्स
बैंगलुरु (आर्सीबी) ने
मंगलवार को पंजाब किंग्स
(पीसीबी) को मात्र छह
रन से हारकर नया आईंगे-एल
चैम्पियन बनने का गीर्हा दासित
कर लिया। आर्सीबी ने
खिलाफी मुकाबले में अपने शीर्ष
क्रम के बल्लेबाजों के उपयोगी
योगदान से नर्देर मौदी स्टेंडिंगम
में 20 ओवर में नीचे बैटिंग पर
190 रन का चुनौती रॉफ्स्कर
बनाया और फिर पंजाब की
चुनौती को बैटिंग पर
184 रन पर थाम लिया। विराट
जीत के बाद खुशी से रो पड़े।

कोहली का 'विराट' सप्ताह पूर्य

43 दिन

35 गेंद



राज्य मंत्रिपरिषद की
बैठक आज

राजी। राज्य कैबिनेट की बैठक
बुधवार (4 जून) को झारखण्ड
मंत्रियालय के मंत्रिपरिषद कक्ष में दिन
में 4:00 बजे से होगी। यह जानकारी
मंगलवार को मंत्रिमंडल सचिवालय
और नियमनी विभाग (समन्वय)
ने दी। कैबिनेट की बैठक में कई
महत्वपूर्ण प्रत्यावर्ती पर मुहर लग
सकती है।

बोकारो स्टील प्लांट में हॉट
मेटल गिरने से पांच झुलसे
राजी/बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट
में एक बड़ा हादसा हुआ है। टील
मेलिंग शीप-2 में हॉट मेटल गिरने
से पांच मजबूर झुलस गए हैं। सभी
झुलसे हुए मजबूरों को बोकारो
जनरल हाइस्टिल में बालत मंगीर
बालाई जा रही है।

पीएम 6 जून को चिनाव
बिज का करेंगे उद्घाटन
जम्मू। केंद्रीय अंतरिक्ष विभाग के
मंत्री व प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य
मंत्री डॉ जिनेंद्र सिंह ने विराट
को धोणा की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र
मोदी आगमी 6 जून को दुनिया के
सबसे ऊंचे रेलवे पुरुष, चिनाव बिज का
उद्घाटन करेंगे। जात हो कि
पहलगाम अंतर्की दूलों के बाद
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहली बार
जम्मू-कश्मीर के दौरे पर जा रहे हैं।

छात्साएप
से सीधे जुँ

सुझाव, शिकायत और
समाचारों का स्वयंगत
समाचार पत्र में प्रकाशित
करने के लिए सप्रमाण
समाचारों का स्वयंगत है।

आप सुझाव या शिकायत
भी भेज सकते हैं।

संपर्क/छात्साएप

82925 53444 विजापन

देने या अवधार प्राप्त करने

के लिए संपर्क

+91 82923 73444

कार्यकारी संपादक।

सीएम हेमंत सोरेन के नेतृत्व में नई ऊंचाइयों तक पहुंचेंगी स्वास्थ्य सेवाएं

स्वास्थ्य व्यवस्था को मिलेगी नई उड़ान, रिम्स-2 जल्द

- स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान
अंसारी ने दूरी में
एचपीआई कॉन्क्लेव में कहा
- कुछ ग्रेटल कर रहे
आयुष्मान कार्ड का दुरुपयोग
यह सर्वार्थी नहीं

नवीन मेल डेस्क

राजी। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ
इरफान अंसारी ने मंगलवार को
राज्य के एक होटल में आयोजित
एचपीआई कॉन्क्लेव में राज्यभर
के नियी अस्पतालों के प्रतिनिधि,
प्रधानमंत्री एवं चिकित्सकों को
संबोधित करते हुए देखा कि
आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन
आरोग्य योजना (पीएमएपवाई)
के अंतर्गत सकारी देख बिलों के
लंबित भुगतान से संबंधित मुद्दों को
लेकर बुलाया गया था। स्वास्थ्य
मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा
कि कुछ अप्यतालों द्वारा आयुष्मान
कार्ड का दुरुपयोग किया जाता है।



बता दें कि एचपीआई कॉन्क्लेव
आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन
आरोग्य योजना (पीएमएपवाई)
के अंतर्गत सकारी देख बिलों के
लंबित भुगतान से संबंधित मुद्दों को
लेकर बुलाया गया था। स्वास्थ्य
मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा
कि कुछ अप्यतालों द्वारा आयुष्मान
कार्ड का दुरुपयोग किया जाता है।

शेष पेज 11 पर



मातृ मृत्यु दर स्वास्थ्य औसत से कम

अपर मुख्य सचिव अंग्रेज कुमार सिंह ने बताया कि राज्य में नवजात
और मातृ मृत्यु दर न्यायी औसत से थोड़ा कम है और हम कई राज्यों से
बेहतर है। याज्ञ में सकारी और निजी क्षेत्र में कुल लगभग 15,500 बढ़े
हैं। सरकार द्वारा साल 2,000-3,000 नारे बोर्डों की दिशा में काम कर रही हैं, ताकि एक लाख बैट का लक्ष्य जल्द पूरा हो सके।

लोगों को मिल हरी है मजबूत स्वास्थ्य सुरक्षा

राज्य के स्वास्थ्य नियंत्रण (एनएचएम) के अभियान नियंत्रण अबू
इमान ने कहा कि मातृ और शिय मृत्यु दर को लेकर सरकार
गमीर है। दायरे के 85 प्रतिशत लोगों को हेल्प इंडेपोर्ट करवा मिल
चुका है। आइंडेपोर्ट पलाया दायरे है, जहां कर्मचारियों को असारित बीमा
करवा दिया जा रहा है।

लालुंगा में पुलिसकर्मियों पर हमला
थाना प्रभारी और एक जवान घायल

के सिर में चोट लगी है। उन्हें
वेहतर इलाज के लिए राजी के एक
अस्पताल में भर्ती करवा दिया गया है।

घायल ग्रामीणों को भी राजी के एक
अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

जानकारी के अनुसार, लालुंगा थाना

क्षेत्र में जमीन विवाद के मामले को

लेकर चल रही ग्राम सभा में लालुंगा

थाने के पुलिसकर्मियों पर हमला
करने का मामला मंगलवार

को प्रकाश में आया है। इस हमला सुविधाओं को भी जेंजी से तैयार करने

के लिए लालुंगा थाना प्रभारी सहित दो

पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। दो

ग्रामीणों को भी गोली लगने की घायल

सुविधाओं को भी गोली से तैयार करने

के लिए लालुंगा थाना प्रभारी सहित दो

पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। दो

ग्रामीणों को भी गोली लगने की घायल

सुविधाओं को भी गोली से तैयार करने

के लिए लालुंगा थाना प्रभारी सहित दो

पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। दो

ग्रामीणों को भी गोली से तैयार करने

के लिए लालुंगा थाना प्रभारी सहित दो

पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। दो

ग्रामीणों को भी गोली से तैयार करने

के लिए लालुंगा थाना प्रभारी सहित दो

पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। दो

ग्रामीणों को भी गोली से तैयार करने

के लिए लालुंगा थाना प्रभारी सहित दो

पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। दो

ग्रामीणों को भी गोली से तैयार करने

के लिए लालुंगा थाना प्रभारी सहित दो

पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। दो

ग्रामीणों को भी गोली से तैयार करने

के लिए लालुंगा थाना प्रभारी सहित दो

पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। दो

ग्रामीणों को भी गोली से तैयार करने

के लिए लालुंगा थाना प्रभारी सहित दो

पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। दो

संपादकीय

नया पाक बनता बांगलादेश

पड़े का सबसे बड़ा नियांत्रिक बांगलादेश जिसे पूरब का मैनेस्टर कहा जाता था में तख्तापलट के दस महीने बांत चुके हैं और उसका भवित्व गत में जा चुका है। मोहम्मद युनुस की अंतरिम सरकार पर मोरे पर युनुस को नोबल शांति पुस्कर मिला था, लेकिन वह जब से सत्ता पर कविज गए हैं, तब से उक्ता कट्टरणीय एवं लोकतंत्र विरोधी चेहरा सबके समने आ चुका है।

मोहम्मद युनुस की अंतिम संस्कार हुए मोरे पर विफल सावित हो रही है।

पाकिस्तान-परस्त एवं भारत विरोधी संगठन है, का रजिस्टरेशन बाहल कर दिया है, जबकि 2013 में इसी अदालतें ने जमान-ए-इस्लामी पार्टी को राष्ट्रीय चुनाव में भाग लेने के लिए इसी विरोध माना था और उसका पंजीकरण रद्द कर दिया था। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के कार्यकाल में इसको राष्ट्रीय विरोधी गतिविधियों के लिए प्रतिवंध लगाया गया था। बीते साल शेख हसीना के अपदस्थ कविज गए हैं, तब से उक्ता कट्टरणीय एवं लोकतंत्र विरोधी चेहरा सबके समने आ चुका है।

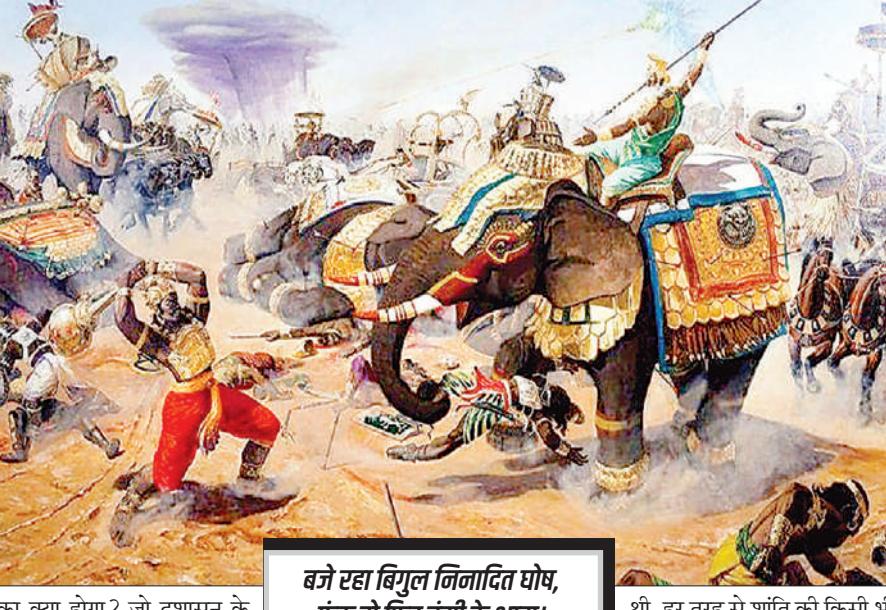
युनुस जब चुनाव के पक्ष में नहीं है। वह अमेरिका, पाकिस्तान और चीन के हाथों की कम्युनिटी बन चुके हैं। पिछले कुछ महीनों में बांगलादेश की अर्थव्यवस्था भी पटरी से उत्तर चुकी है। बांगलादेश ने ऐतिहासिक रूप से अर्थव्यवस्था आय वाला देश बनाया, लेकिन मौजूदा संस्कार विरोधी जीवनों को बढ़ा रखा है, जिसमें विदेशी भांडर पर दबाया, केंटडेरेटिंग में विशेष और विशेष नियांत्रित जैसे प्रमुख उद्योगों में व्यवधान शामिल हैं। मुद्रासंक्षीली 10 मीसी की करीब पहुंच रही है, नियांत्रित कम्पनी हो रही है, ऊर्जा संकट और बेरोजगारी बढ़ रही है, साथ ही घटना चाटकों की रिहाई का स्वागत भी किया। जानां ने 1971 में बांगलादेश की पाकिस्तान से स्वतंत्रता का विरोध किया था। ऐसे में उसका चुनाव लड़ना बांगलादेश के भविष्य के लिए एक सुखा का साथ देकर मानवता के खिलाफ अपराध करने का अरोपी था। अंतरिम सरकार के कानूनी साक्षात्कार अधिकार ने इसलाम को भी बरी कर दिया।

अंजहरुल इस्लाम पर मुक्ति संग्राम के दैशन पाकिस्तानी सेना का साथ देकर मानवता के खिलाफ अपराध करने का अरोपी था। अंतरिम सरकार के कानूनी साक्षात्कार अधिकार ने इसलाम को भी बरी कर दिया। जानां ने 1971 में बांगलादेश की पाकिस्तान से स्वतंत्रता का विरोध किया था। ऐसे में उसका चुनाव लड़ना बांगलादेश के भविष्य के लिए एक सुखा का साथ देकर मानवता के लिए भी ठीक नहीं है। पूर्व प्रधानमंत्री अब और दो अन्य व्यक्तियों पर पिछले वर्ष हुई रिंसा के लिए मुकदमा चलाने की अनुमति दी गई। वहीं, युनुस ने शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को भाग कर दिया है। अवामी लीग की अनुमति दी गई। उसकी प्रमुख प्रतिवादी बांगलादेश नेशनलिट पार्टी (बांगलादेशी), जिसकी अमुर्वादी पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया कर रहे हैं, देश की जानीवाली में प्रमुख भूमिका में उभर आई है।

युद्ध की बर्बादी व सीज फायद का औचित्य

मा नव जाति के लंबे इतिहास में त्राकात युद्धों की अनिवार्यता अंकित है। इत्य ही नावें के एक प्रायोगिक ने गणना बंत्र की सहायता से यह बताया है कि 550 वर्षों के लिये इतिहास में कुल 14,531 युद्ध हुए हैं, अर्थात् प्रत्येक वर्ष ढाई सौ से भी अधिक। चाहे देवासुर संग्राम हो या यापाण युद्ध के बर्बर मनुष्यों का संघर्ष या आशुनिक साधनों से संयुक्त भीषण रण-मेरी दृष्टि में सभी युद्ध हों तो वह उसे धर्मयुद्ध या क्रूसेड जैसा विवर नहीं देता या अन्य विशेषण से शून्य या युक्त युद्ध कहें। युद्ध बहुत अंतर नहीं आता मानव के भीतर का खूनी पिण्याची ही उमेर युद्ध के प्रति प्रतिक्रिया है।

प्राचीन काल में जो युद्ध होते थे, उनमें इतना भीषण नरसंहार नहीं होता था, क्योंकि पहले मनुष्य एक दूसरे से पथर, गदा, भाले और धनुष वाप से लड़ता था। प्राचीन काल और आशुनिक काल के युद्ध में एक भारी अंतर वह है कि पहले युद्ध में भाग लेने वाले ही हाहत होते थे, अन्य नहीं। प्राचीन काल में युद्ध का भाग लेने वाले ही हाहत होता था और उसका प्रतिक्रिया अपने कामों में जुटे रहते थे, किंतु आज तो स्थिति सर्वानुभव है। आज तो वस्तुतः युद्ध छड़े वाले दूर ही बैठते रहते हैं और एक बटन दबाते ही हो जारी भीम पर रहने वाले असंख्य नारायणिक भयानक बम विस्फोट के ग्रास जाते हैं। प्राचीन काल में युद्धों के नियन्त्रित नियम थे, युद्ध का समय नियंत्रित होता था। सुधैरसे से सुधैरत तक, सुधैरस्त



का क्या होगा? जो दुश्शसन के रक्त के प्यासे हैं, वे कहाँ भीम की उस प्रतिज्ञा का क्या होगा, जो उन्होंने दुर्योधन की जंजा तोड़ने

के लिए दिया

होते ही युद्ध बंद हो जाता था। दिन-भर युक्तिक्रम से रथ संचालन के पश्चात् सार्वकाल एवं अधिक अपने कामों में जुटे रहते हैं, किंतु आज तो विश्वास सर्वानुभव है। आज तो वस्तुतः युद्ध छड़े वाले दूर ही बैठते रहते हैं और एक बटन दबाते ही हो जारी भीम पर रहने वाले असंख्य नारायणिक भयानक बम विस्फोट के ग्रास जाते हैं। प्राचीन काल में युद्धों के नियन्त्रित नियम थे, युद्ध का समय नियंत्रित होता था। सुधैरसे से सुधैरत तक, सुधैरस्त

होते ही युद्ध बंद हो जाता था। दिन-भर युक्तिक्रम से रथ संचालन के पश्चात् सार्वकाल एवं अधिक अपने कामों में जुटे रहते हैं, किंतु आज तो विश्वास सर्वानुभव है। आज तो वस्तुतः युद्ध छड़े वाले दूर ही बैठते रहते हैं और एक बटन दबाते ही हो जारी भीम पर रहने वाले असंख्य नारायणिक भयानक बम विस्फोट के ग्रास जाते हैं। प्राचीन काल में युद्धों के नियन्त्रित नियम थे, युद्ध का समय नियंत्रित होता था। सुधैरसे से सुधैरत तक, सुधैरस्त

होते ही युद्ध बंद हो जाता था। दिन-भर युक्तिक्रम से रथ संचालन के पश्चात् सार्वकाल एवं अधिक अपने कामों में जुटे रहते हैं, किंतु आज तो विश्वास सर्वानुभव है। आज तो वस्तुतः युद्ध छड़े वाले दूर ही बैठते रहते हैं और एक बटन दबाते ही हो जारी भीम पर रहने वाले असंख्य नारायणिक भयानक बम विस्फोट के ग्रास जाते हैं। प्राचीन काल में युद्धों के नियन्त्रित नियम थे, युद्ध का समय नियंत्रित होता था। सुधैरसे से सुधैरत तक, सुधैरस्त

होते ही युद्ध बंद हो जाता था। दिन-भर युक्तिक्रम से रथ संचालन के पश्चात् सार्वकाल एवं अधिक अपने कामों में जुटे रहते हैं, किंतु आज तो विश्वास सर्वानुभव है। आज तो वस्तुतः युद्ध छड़े वाले दूर ही बैठते रहते हैं और एक बटन दबाते ही हो जारी भीम पर रहने वाले असंख्य नारायणिक भयानक बम विस्फोट के ग्रास जाते हैं। प्राचीन काल में युद्धों के नियन्त्रित नियम थे, युद्ध का समय नियंत्रित होता था। सुधैरसे से सुधैरत तक, सुधैरस्त

होते ही युद्ध बंद हो जाता था। दिन-भर युक्तिक्रम से रथ संचालन के पश्चात् सार्वकाल एवं अधिक अपने कामों में जुटे रहते हैं, किंतु आज तो विश्वास सर्वानुभव है। आज तो वस्तुतः युद्ध छड़े वाले दूर ही बैठते रहते हैं और एक बटन दबाते ही हो जारी भीम पर रहने वाले असंख्य नारायणिक भयानक बम विस्फोट के ग्रास जाते हैं। प्राचीन काल में युद्धों के नियन्त्रित नियम थे, युद्ध का समय नियंत्रित होता था। सुधैरसे से सुधैरत तक, सुधैरस्त

होते ही युद्ध बंद हो जाता था। दिन-भर युक्तिक्रम से रथ संचालन के पश्चात् सार्वकाल एवं अधिक अपने कामों में जुटे रहते हैं, किंतु आज तो विश्वास सर्वानुभव है। आज तो वस्तुतः युद्ध छड़े वाले दूर ही बैठते रहते हैं और एक बटन दबाते ही हो जारी भीम पर रहने वाले असंख्य नारायणिक भयानक बम विस्फोट के ग्रास जाते हैं। प्राचीन काल में युद्धों के नियन्त्रित नियम थे, युद्ध का समय नियंत्रित होता था। सुधैरसे से सुधैरत तक, सुधैरस्त

होते ही युद्ध बंद हो जाता था। दिन-भर युक्तिक्रम से रथ संचालन के पश्चात् सार्वकाल एवं अधिक अपने कामों में जुटे रहते हैं, किंतु आज तो विश्वास सर्वानुभव है। आज तो वस्तुतः युद्ध छड़े वाले दूर ही बैठते रहते हैं और एक बटन दबाते ही हो जारी भीम पर रहने वाले असंख्य नारायणिक भयानक बम विस्फोट के ग्रास जाते हैं। प्राचीन काल में युद्धों के नियन्त्रित नियम थे, युद्ध का समय नियंत्रित होता था। सुधैरसे से सुधैरत तक, सुधैरस्त

होते ही युद्ध बंद हो जाता था। दिन-भर युक्तिक्रम से रथ संचालन के पश्चात् सार्वकाल एवं अधिक अपने कामों में जुटे रहते हैं, किंतु आज तो विश्वास सर्वानुभव है। आज तो वस्तुतः युद्ध छड़े वाले दूर ही बैठते रहते हैं और एक बटन दबाते ही हो जारी भीम पर रहने वाले असंख्य नारायणिक भयानक बम विस्फोट के ग्रास जाते हैं। प्राचीन काल में युद्धों के नियन्त्रित नियम थे, युद्ध का समय नियंत्रित होता था। सुधैरसे से सुधैरत तक, सुधैरस्त

होते ही युद्ध बंद हो जाता था। दिन-भर युक्तिक्रम से रथ संचालन के पश्चात् सार्वकाल एवं अधिक अपने कामों में जुटे रहते हैं, किं

